

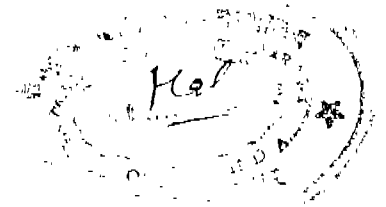


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 7]
No. 7]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 2, 2001/पौष 12, 1922
NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 2, 2001/PAUSA 12, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 2001

प्रारंभिक जांच निष्कर्ष

विषय :—यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित थियोफाइलीन और कैफीन के आयात से संबंधित
पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक जांच निष्कर्ष

सं. 26/1/20. १-२ जी ए डी.—भारत सरकार 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए,

क. कार्य-पद्धति

1. निम्नलिखित क्रियाविधि का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अधीन मैसर्स कोरस (इंडिया), थाणे, मैसर्स बकुल एरोमेटिक्स एंड केमिकल्स लि०, मुम्बई तथा मैसर्स बेलिएट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुम्बई से घरेलू उद्योग की ओर से याचिका प्राप्त हुई है जिसमें यूरोपीय संघ (जिसे इसके बाद ई यू कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित थियोफाइलीन और कैफीन के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- (ii) प्राधिकारी ने नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए पाटन संबंधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल को सूचना दी।

- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची I के शीर्ष 2939.30 और 2939.50 के तहत वर्गीकृत ई यू मूल के थियोफाइलीन तथा कैफीन के आयातों के संबंध में पाटिनरोधी कार्रवाई शुरू करते हुए दिनांक 11 जुलाई, 2000 की एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित की ।
- (iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संघों और याचिकाकर्ताओं को उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का असवर प्रदान किया ।
- (v) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 के उप-नियम (3) के अनुसार याचिका की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में यूरोपीय आयोग के शिष्टमंडल को भेजी ।
- (vi) प्राधिकारी ने अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए याचिका में उल्लिखित निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी ।
- (vii) यूरोपीय आयोग के नई दिल्ली स्थित शिष्टमंडल को भी जांच शुरू करने के बारे में सूचना दी गई और उन्हें सलाह दी गई कि वे अपने क्षेत्र के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने का अनुरोध करें ।
- (viii) थियोफाइलीन और कैफीन के निम्नलिखित आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई:-
1. मैसर्स जे शाह एंड कंपनी, मुम्बई
 2. मैसर्स साल्वी कैमिकल्स बोयसर
 3. मैसर्स कांतिलाल मणिलाल एंड कंपनी, मुम्बई
 4. मैसर्स मेदी फार्मा, चेन्नई
 5. अहिंसा केमिकल्स प्रा० लि०, नलबारी
 6. मैसर्स कोको-कोला इंडिया लि०, पुणे
 7. मैसर्स पेप्सी फूड्स लि०, संगरूर
 8. मैसर्स निकोलस पीरामल इंडिया लि०, धर
 9. मैसर्स पैनजॉन लि०, इंदौर
 10. मैसर्स कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लि०, अहमदाबाद
 11. मैसर्स जर्मन रिमेडिज लि०, मुम्बई
 12. मैसर्स मेरीडियन इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, नवसारी
 13. मैसर्स कोपरन लि०, रायगढ़
 14. मैसर्स यूनीमेड टेक्नॉलोजी लि०, हलोल
 15. मैसर्स एफ डी सी लि०, मुम्बई

- (ix) आयातकों में से मैसर्स अहिंसा कैमिकल्स, नलबारी ने प्रश्नावली का उत्तर दिया । मैसर्स बी ए एस एफ ए जी, लुडविगशॉफेन, जर्मनी ने भी निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर दिया ।
- (x) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने प्रस्तुत कर दी थी ।
- (xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को, जो एक सार्वजनिक फाइल के रूप में रखे गए थे, किसी भी हितबद्ध पक्ष के निरीक्षण के लिए खुला रखा ।
- (xii) इस अधिसूचना में ***** चिह्न हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को प्रदर्शित करता है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने इसे गोपनीय ही माना है ।
- (xiii) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक सूचना मंगाई और उसकी पुष्टि की और इसके लिए याचिकाकर्ताओं के मुम्बई, थाणे तथा पातालगंगा, महाराष्ट्र स्थित कार्यालयों के परिसरों में जांच की गई । मैसर्स बी ए एस एफ ए जी, जो लुडविगशैफॉन, जर्मनी के निर्यातक हैं, के परिसरों की जांच की गई ।
- (xiv) प्राधिकारी ने स्वीकृत लेखा सिद्धांतों तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर लागत संबंधी जांच की और भारत में थियोफाइलीन तथा कैफीन के ईष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की लागत का हिसाब लगाया।
- (xv) जांच की अवधि 1 अप्रैल, 1999 से 31 मार्च, 2000 तक है ।
- (xvi) जांच शुरू करने की सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई, एसोचैम आदि को भी भेजी गई ।

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

3. याचिकाकर्ताओं ने निम्नलिखित अनुरोध किए:-

(क) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उप शीर्ष संख्या 2939.30 और 2939.50 के अंतर्गत आने वाली थियोफाइलीन तथा कैफीन, उनके शुद्ध तथा अपरिश्रुत दोनों रूपों में तथा उनके अपसारणों तथा लवणों का यूरोपीय विनिर्माताओं द्वारा भारत में पाटन किया जा रहा है । इस उद्योग को पहले चीन से पाटन की समस्या का सामना करना पड़ रहा था और वहां से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए उसे निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास जाना पड़ा था । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा व्यापक

जांच करने के बाद चीन से आयातों पर 20.3.95 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया जिसे वर्ष 1998 में किए गए मध्यावधि समीक्षा के बाद जारी रखा गया। चीन के निर्यातक भारत में सामग्री का पाटन करते रहे और मार्च, 2000 में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन के आयातों के विरुद्ध निर्णायक जांच शुरू की जिसके फलस्वरूप चीन से आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को एक वर्ष के लिए और बढ़ा दिया गया है। तथापि, इस दौरान ई यू के निर्यातकों ने भारत में थियोफाइलीन तथा कैफीन का पाटन शुरू कर दिया। ये आयात भारत में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुँचा रहे हैं इसलिए उन्होंने ई यू मूल के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए याचिका दायर की।

(ख) विचाराधीन उत्पाद थियोफाइलीन, इसके अपसारण तथा इसके लवण हैं तथा ये उत्पाद अपने शुद्ध तथा अपरिष्कृत दोनों रूपों में शामिल हैं। थियोफाइलीन तथा कैफीन सीमाशुल्क टैरिफ आधेनियम के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत अकार्बनिक रसायन हैं। थियोफाइलीन का प्रयोग भेषजीय फार्मूलों के लिए किया जाता है और कैफीन का प्रयोग पेय पदार्थों तथा सॉफ्ट ड्रिंक्स में भी किया जाता है। इन उत्पादों की परिभाषा सीमाशुल्क उपशीर्ष 2939.30 तथा 2939.50 के अतिरिक्त की गई है।

(ग) घरेलू उद्योग की ओर से यह याचिका मैसर्स कोरस (इंडिया) लि०, थाणे, मैसर्स बकुल एरोमेटिक्स एंड कैमिकल्स लि०, मुम्बई तथास मैसर्स बेलिएंट इंडस्ट्रीज लि०, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने निश्चयपूर्वक कहा है कि इस उत्पाद के दो और उत्पादक हैं अर्थात् मै० एस यू- VI कैमिकल्स लि०, मुम्बई तथा मै० सुमन फार्मास्युटिकल्स हैदराबाद। वर्ष 1999 के दौरान याचिकाकर्ताओं का थियोफाइलीन तथा कैफीन का उत्पादन देश में कुल उत्पादन का लगभग 85 % बैठता है। अतः उपरोक्त नियमों के अंतर्गत वे घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है। इसके अतिरिक्त मैसर्स जर्मन रिमेडीज अपनी उपभोग संबंधी आवश्यकताओं के लिए उक्त वस्तुओं का उत्पादन करता है। अतः उसे मौजूदा प्रयोजनों के लिए पात्र उत्पादक के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

(घ) याचिकाकर्ताओं ने जर्मन संघीय गणराज्य, बेल्जियम, फ्रांस तथा स्पेन - सभी यूरोपीय संघ (ई यू) के सदस्य से संबद्ध उत्पाद के पाटन के साक्ष्य उपलब्ध करवाए हैं। चूँकि ई यू में विभिन्न सदस्य देशों के बीच कोई सीमाशुल्क सीमाएं नहीं हैं इसलिए यह तर्क दिया गया है कि इस जांच के उद्देश्य से ई यू को ही जांच के अधीन एक क्षेत्र माना जाना चाहिए।

(ङ.) याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध क्षेत्र के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के 'समान वस्तु' हैं। इसलिए, जांच के उद्देश्य से याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं को नियमों के अर्थ के तहत यूरोपीय संघ से शुद्ध तथा अपरिष्कृत दोनों रूपों में आयातित थियोफाइलीन, इसके अपसारण तथा इसके लवणों एवं कैफीन, इसके अपसारण तथा इसके लवणों के 'समान वस्तुएं' माना जाना चाहिए।

(च) जर्मनी तथा स्पेन में (तथा समूचे ई यू में) सामान्य मूल्य वह मूल्य है जिस पर थियोफाइलीन और कैफीन के उपभोक्ता व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में इन उत्पादों को अपने घरेलू बाजार में खरीद रहे हैं। जर्मनी ने अन्य ई यू सदस्य देशों को जिन कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, उनके बारे में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार ये कीमतें उन कीमतों बहुत ज्यादा हैं जिन पर ये उत्पाद यूरोपीय संघ द्वारा भारत को निर्यात किए जा रहे हैं। चूंकि जर्मनी, स्पेन तथा अन्य ई यू सदस्य देशों के मध्य कोई सीमाशुल्क सीमाएं नहीं हैं, इसलिए इसी सामान्य मूल्य को समूचे क्षेत्र के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

(छ) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के रिकार्ड से उपलब्ध सूचना तथा कारखाना-द्वार पर कीमत का आकलन करने के लिए लैंडिंग प्रभार, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यातक देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों जैसे संगत समायोजनों की अनुमति देने के बाद निकाली गई निवल निर्यात कीमतें उपर उल्लिखित सामान्य मूल्य से बहुत कम बैठती हैं और इसलिए ई यू से निर्यातकों द्वारा बहुत अधिक पाटन हुआ है।

(ज) ई यू से थियोफाइलीन और कैफीन की कम और घटती हुई निर्यात कीमतों से घरेलू बाजार में कीमतों में कटौती हो रही है और इसलिए यह घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रही है क्योंकि इससे वे घरेलू बाजार में एक समुचित बिक्री कीमत वसूल करने में असमर्थ रहे हैं। घरेलू बाजार को अपनी बिक्री कीमतें ई यू से हुए आयातों के पहुँच मूल्य के आधार पर कायम रखने पर मजबूर होना पड़ा है जिससे बिक्री वसूली में गिरावट तथा वित्तीय घाटा हो रहा है और उत्पादन की ईष्टतम लागत की वसूली और किए गए निवेश पर समुचित आय नहीं हो रही है।

(झ) ई यू से इतर देशों से आयात या तो न्यूनतम है अथवा उँची कीमतों पर हो रहा है। ई यू से भारत को कम तथा घटती हुई कीमतों पर आयातों के कारण उनकी घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुँच रही है।

ग. आयातकों एवं निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदन

4. मै0 अहिंसा कैमिकल्स लि0, नलबाड़ी, असम, जो कि कैफीन एनहाइड्रस आई पी0 (प्राकृतिक) का विनिर्माता है और अपरिष्कृत कैफीन (प्राकृतिक) का आयातक है, ने निम्नलिखित निवेदन किया है:-

(क) कैफीन एनहाइड्रस आई पी0 (प्राकृतिक) का विनिर्माण चाय अपशिष्ट अथवा अपरिष्कृत कैफीन जो कि कैफीन रहित काफी के विनिर्माण का सह-उत्पाद है, जैसे कच्चे माल का इस्तेमाल करके किया जाता है।

(ख) अपरिष्कृत कैफीन जिसे कि प्राकृतिक चाय/काफी से निकाला जाता है वह याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सिंथेटिक कैफीन के समान उत्पाद नहीं है।

(ग) प्राकृतिक कैफीन और सिंथेटिक कैफीन की विनिर्माण प्रक्रिया पूरी तरह से भिन्न है। अपरिष्कृत कैफीन चाय/काफी में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होती है और तब से इससे निकाला जाता है और फिर लगभग 99.3 % शुद्धता की प्राकृतिक कैफीन बनाने के लिए इसका प्रसंस्करण किया जाता है जिसका पेय पदार्थों एवं औषधीय उद्योग में उपयोग होता है। प्राकृतिक कैफीन के इस्तेमाल को अमरीका, जापान, यूरोप इत्यादि में पेय पदार्थों तथा औषधीय विनिर्माणों में वरीयता दी जाती है।

(घ) प्राकृतिक कैफीन की उत्पादन लागत सिंथेटिक कैफीन की उत्पादन लागत से अधिक है।

(ङ.) अपरिष्कृत (प्राकृतिक) कैफीन का इसी रूप में पेय पदार्थों/औषधीय उद्योगों में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है और प्रसंस्करण एवं प्राकृतिक कैफीन में परिवर्तन के पश्चात् इसकी शुद्धता 99.3 % होती है और इसे आई पी/बी पी/यू एस पी इत्यादि में निर्धारित अन्य मापदंडों अथवा विनिर्देशनों को भी पूरा करना होता है, तथा इसे औषधीय/पेय पदार्थ उद्योग को बेचा जाता है।

(च) कंपनी द्वारा आयातित अपरिष्कृत कैफीन की कीमत इस उत्पाद का सामान्य मूल्य है और यह ई यू तथा/अथवा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपरिष्कृत कैफीन की सामान्य कीमत है। इसके अतिरिक्त, अपरिष्कृत कैफीन की कीमत इस उत्पाद की गुणवत्ता और शुद्धता पर निर्भर करती है। अपरिष्कृत कैफीन (प्राकृतिक) के आपूर्तिकर्ता अंतर्राष्ट्रीय बाजार की अत्यंत सम्मानित कंपनियां हैं और अपरिष्कृत कैफीन उनका सह-उत्पाद/अपशिष्ट उत्पाद है, जिसे वे कैफीन रहित काफी के विनिर्माण के लिए प्राप्त करते हैं।

(छ) पार्टियों ने जानबूझ कर तथा बदनीयत से आंकड़ों को तोड़ मरोड़ दिया है और अपरिष्कृत कैफीन तथा सिंथेटिक कैफीन की तुलना करके मामले को गलत ढंग से पेश किया है।

5. मै0 बी ए एस एफ ए जी, लुडविगशफेन, जर्मनी जिसका उत्पादन स्थल कनोल ए जी, मिडेन, जर्मनी में है, ने जांच शुरूआत की अधिसूचना के उत्तर में और भारत तथा अन्य देशों को उनके निर्यातों एवं घरेलू बिक्री के संबंध में सूचना मंगाने हेतु उनको भेजी गई प्रश्नावली के उत्तर में अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं। उत्पादन लागत के विषय में उन्होंने उल्लेख किया है कि उनका संयंत्र कैफीन और थियोफाइलीन की विभिन्न किस्मों के लिए एक बहुउद्देशीय संयंत्र है, और उनमें से सभी किस्मों का भारत को निर्यात नहीं किया जाता है। विभिन्न किस्मों का उत्पादन विभिन्न बिक्रियों द्वारा प्रभावित होता है और इसलिए विभिन्न ग्रेडों की भारत को हुई निर्यात की क्षमता का अलग-अलग अर्थपूर्ण विवरण नहीं दिया जा सकता है। उनके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच लुडविगशफेन, जर्मनी स्थित उनके परिसर से प्राप्त लागत एवं बिक्री के रिकार्डों से की गई थी।

घ. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच और निष्कर्ष

6. इन निष्कर्षों पर पहुँचने के लिए निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच की गई है तथा आगे जहाँ उचित समझा गया, इन पर विचार किया गया है।

ड. विचाराधीन उत्पाद

7. विचाराधीन उत्पाद थियोफाइलीन, इसके अपसारण, उनके लवण तथा कैफीन, इसके अपसारण और उनके लवण हैं और इसमें शुद्ध तथा अपरिष्कृत दोनों रूपों में ये उत्पाद शामिल हैं। थियोफाइलीन और कैफीन सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत कार्बनिक रसायन हैं। थियोफाइलीन का उपयोग औषधीय फार्मूलों में किया जाता है और कैफीन का उपयोग भी पेय पदार्थों एवं शीतल पदार्थों में किया जाता है। ये उत्पाद सीमाशुल्क उपशीर्ष 2939.30 और 2939.50 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

जैसा कि ऊपर पैरा 4 में उल्लेख किया गया है, अपरिष्कृत कैफीन को जांच के क्षेत्रों बाहर रखने के बारे में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं क्योंकि इसकी उत्पादन प्रक्रिया तथा नया माल सिंथेटिक कैफीन से भिन्न है। तथापि, याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध करवाए गए साक्ष्यों के अनुसार, सिंथेटिक कैफीन का भी पेय पदार्थों के विनिर्माण में और निर्यातकों द्वारा प्राकृतिक कैफीन के बतलाए गए अन्य उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग किया जा रहा है। चूँकि सिंथेटिक एवं अपरिष्कृत कैफीन काफी हद तक प्रतिस्थापनीय हैं और कीमत तथा उपलब्धता के आधार पर अदल-बदल कर इनका इस्तेमाल किया जाता है इसलिए प्राधिकारी ने इस जांच के क्षेत्र के भीतर कैफीन को भी रखने का निर्णय लिया है जैसा कि जांच शुरूआत की अधिसूचना में प्रस्ताव किया गया था। अतः, विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा उपरोक्तानुसार वही रहेगी।

च. समान वस्तु

8. थियोफाइलीन और कैफीन, उनके अपसारण, उनके लवणों का ई यू से आयात किया जा रहा है जिसके लक्षण घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित थियोफाइलीन तथा कैफीन, उनके लवणों एवं अपसारणों से बिल्कुल मिलते-जुलते हैं और इसलिए उपरोक्त नियम 2 (घ) के अनुसार इन दोनों को समान वस्तु माना जाता है। अतः ये उत्पाद इस जांच के क्षेत्र में शामिल हैं।

छ. घरेलू उद्योग

9. यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 कोरस (इंडिया) लिमिटेड, थाणे, मै0 बकुल एरोमेटिक्स एंड कौमिकल्स लि0, मुम्बई और मै0 वेलिएंट इंडस्ट्रीज लि0, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। इस उत्पाद का एक और उत्पादक मै0 एस यू/VI कौमिकल्स लि0, मुम्बई है। वर्ष 1999 के दौरान याचिकाकर्ताओं का थियोफाइलीन एवं कैफीन का उत्पादन देश में कुल उत्पादन का लगभग 85 % बनता है और इसलिए, वे उपरोक्त नियमों के भीतर घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में हैं।

ज. पाटन

सामान्य मूल्य

10. घरेलू उद्योग ने अपने अभ्यावेदन में यह उल्लेख किया है कि ई यू में सामान्य मूल्य वह कीमत है जिस पर थियोफाइलीन एवं कैफीन के उपभोक्ता व्यापार के सामान्य रूप में ई यू में इनकी खरीद कर रहे हैं। उन्होंने उन कीमतों का साक्ष्य दिया है जिन पर ई यू का एक सदस्य संघ के अन्य सदस्य देशों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। चूंकि, ई यू के एक सदस्य देश के उत्पादकों द्वारा दूसरे सदस्य देश में उपभोक्ताओं को की गई बिक्री एवं सांझा सीमाशुल्क क्षेत्र के भीतर है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए इसे घरेलू बिक्री के रूप में माना गया है क्योंकि ई यू को एक सांझा संबद्ध क्षेत्र माना जा रहा है। तथापि, ई यू से भारत को निर्यात करने वाले एक विनिर्माता, मै0 बी ए एस एफ ए जी, द्वारा दिए गए उत्तर को देखते हुए प्राधिकारी के पास ई यू में घरेलू कीमतों के संबंध में पर्याप्त सूचना उपलब्ध है। प्राधिकारी का विचार है कि सामान्य मूल्य का आकलन करने के लिए ई यू में घरेलू बिक्री कीमत के संबंध में निर्यातक द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना का उपयोग किया जाए। साथ ही कारखाना द्वार पर ही प्रभारों के संबंध में वितरण लागत, पोतलदान लागत, विदेशी भाड़ा, समुद्री बीमा इत्यादि के रूप में समायोजनों का दावा किया गया है, जिसकी भी दावे के अनुसार अनुमति प्रदान की गई है।

निर्यात कीमत

11. याचिकाकर्ताओं ने निर्यात कीमत के संबंध में सूचना महानिदेशक, वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी (डी जी सी आई एस) कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना के आधार पर सितम्बर, 1999 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत की है। अब, पूरे वर्ष के लिए ई यू से हुए आयात की मात्रा और मूल्य के बारे में सूचना डी जी सी आई एस से उपलब्ध है। तथापि, जिस निर्यातक ने सूचना प्रस्तुत की

है और जिसकी जांच भी की गई है, उस निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का आकलन करने के उद्देश्य से प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली के उत्तर में किए गए दावों के अनुसार कमीशन, भाड़े इत्यादि का समायोजन करने के पश्चात् निवल निर्यात कीमत पर विचार किया गया है।

पाटन मार्जिन

12. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और पाटनरोधी नियमों में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण करने वाले सिद्धांतों की नियमों के अनुबंध-1 में व्याख्या की गई है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त पैराग्राफों में उल्लिखित मानदंडों के आधार पर गणना की है। इस प्रकार से परिकलित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की उचित तुलना के आधार पर बी ए एस एफ ए जी द्वारा निर्यात किए गए थियोफाइलीन, इसके विनिर्माण और लवणों के मामले में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत का 229% और कैफीन, इसके विनिर्माण और लवणों के मामले में 177 % बैठता है। प्राधिकारी इस पाटन मार्जिन का उपयोग यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के लिए करने के इच्छुक हैं।

ज. क्षति

13. उपरोक्त नियम 11 अनुबंध II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाल लिया जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में.....पाटित आयातों की मात्रा, सामान्य वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक स्थिर रखना है अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक हो गई होती।

14. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने आगे ऐसे संकेतकों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ा है जैसे उत्पादन बिक्री, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री आय इत्यादि।

(क) पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा,

यूरोपीय संघ से थियोफाइलीन का आयात वर्ष 1998-99 तक शून्य रहा जो वर्ष 1999-2000 में बढ़कर 32500 किग्रा हो गया जो कुल कारोबार में आयातों में लगभग 300 मी.टन की

तीव्र वृद्धि को दर्शाता है। इस प्रकार भारत में थियोफाइलीन के आयातों में यूरोपीय संघ के प्रदेशों का बाजार हिस्सा भी शून्य से बढ़कर वर्ष 1999-2000 में कुल घरेलू मांग का लगभग 11 % हो गया है। थियोफाइलीन के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि के साथ-साथ प्रतिशत के रूप में भी वृद्धि से घरेलू उद्योग को बिक्री में हानि हुई है।

(ख) कीमत में कटौती और कीमत में गिरावट

डी जी सी आई एस आंकड़ों के आधार पर परिकलित यूरोपीय संघ के सदस्य देशों से पहुँच मूल्य संबंधी आंकड़े यह स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग थियोफाइलीन और कैफीन दोनों के मामले में विशेषकर जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती का सामना कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को इष्टतम उत्पादन लागत से बहुत कम औसत बिक्री वसूली हो रही है और इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को थियोफाइलीन और कैफीन के उत्पादन और बिक्रियों से वित्तीय हानि हुई है।

(ग) लाभ/हानि

याचिकाकर्ता बहु-उद्यमी संगठन का एक भाग है और बहु उत्पाद कार्यकलापों से जुटे हैं। इसलिए प्रकाशित वार्षिक लेखाओं से विचाराधीन उत्पाद के लिए कंपनी की वित्तीय स्थिति के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। तथापि, प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्ता की लाभप्रदता का निर्धारण करने के प्रयोजन से एकत्रित सूचना और इस पर सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर खर्चों के आबंटन और विभाजन पर विचार करने के पश्चात् भरोसा किया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता की औसत बिक्री वसूली उत्पादन लागत की तुलना में कम है जिसके परिणामस्वरूप थियोफाइलीन और कैफीन की बिक्री से हानि हुई है।

(घ) क्षति के बारे में निष्कर्ष

प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि सभी संगत कारक संचयी तथा सामूहिक रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है।

(ङ) कारणात्मक संबंध

14. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई थी प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों पर विचार किया है:-

- (i) यूरोपीय संघ से थियोफाइलीन एवं कैफीन का पाटित कीमतों पर पर्याप्त आयात होने के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें अलाभकारी स्तर पर रखने के लिए मजबूर होना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति बन गई।
- (ii) यूरोपीय संघ से आयातों के कारण भारतीय बाजार में इस उत्पाद की कीमतों में इस हद तक गिरावट आई कि घरेलू उद्योग को अपनी पूर्ण उत्पादन लागत की प्राप्ति नहीं हुई और न ही वह भारत में थियोफाइलीन और कैफीन की बिक्री से समुचित लाभ अर्जित कर सका।

ज. भारतीय उद्योग के हित

15. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसे खुले और उचित प्रतिस्पर्धा को पुनः बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

16. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से थियोफाइलीन और कैफीन के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों की कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों से पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा। भारतीय उद्योग के हित को रोका जा सकेगा और इस प्रकार थियोफाइलीन और कैफीन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से यूरोपीय संघ से आयात किसी भी प्रकार से कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उपभोक्ताओं के पास आपूर्ति के लिए दो या इससे अधिक स्रोत उपलब्ध होंगे।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के साथ-साथ अन्य उत्पादक को आयातक ने थियोफाइलीन और कैफीन की कीमतों को कम करने के लिए बाध्य किया है जिससे स्पष्टतः भारतीय बाजार में प्रचलित कीमत में कीमत कटौती की स्थिति बन गई है।

ट. निष्कर्ष

18. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- (i) यूरोपीय संघ के मूल के थियोफाइलीन और कैफीन का निर्यात भारत में उसके समान मूल्य से कम पर किया गया है;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) उक्त क्षति यूरोपीय संघ से आयातों के कारण हुई है।

19. प्राधिकारी यह आवश्यक मानते हैं कि घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षति को दूर करने के प्रयोजन से यूरोपीय संघ के मूल के थियोफाइलीन और कैफीन के सभी आयातों पर अंतिम रूप से निर्धारण होने तक अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। ज्ञात निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैरा 12 में दिए गए हैं।

20. तदनुसार, प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क शीर्ष 2939.30 और 2939.50 के तहत आने वाले यूरोपीय संघ के मूल के थियोफाइलीन और कैफीन के सभी आयातों पर, केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। सभी निर्यातकों/विनिर्माताओं (मै0 बी ए एस एफ ए जी सहित) के लिए पाटनरोधी शुल्क कॉलम 3 में उल्लिखित राशि और आयातों के प्रति मी.टन पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

<u>क्षेत्र/देश</u>	<u>उत्पाद</u>	<u>राशि अमरीकी डालर प्रति मी.टन</u>
यूरोपीय संघ	1. थियोफाइलीन	10686
(सभी सदस्य देश)	2. कैफीन	11486

21. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा जिसमें सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे।

आगे की प्रक्रिया,

22. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी सभी इच्छुक पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियाँ आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकालते समय विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध ज्ञात पार्टियों को अलग से पत्र लिखा जा रहा है जो इस पत्र की प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

(ग) प्राधिकारी सभी इच्छुक पार्टियों को मौखिक विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करेगा जो तदुपरान्त लिखित रूप में देने होंगे ;

(घ) आवश्यक होने पर प्राधिकारी द्वारा आगे जांच की जाएगी,

(ङ.) अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेगा।

एल. वी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd January, 2001

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Theophylline & Caffeine originating in or exported from the European Union—Preliminary findings

No. 26/1/2000-DGAD.—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Kores (India) Limited, Thane, M/s. Bakul Aromatics & Chemicals Ltd., Mumbai and M/s. Valiant Industries Limited, Mumbai, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Theophylline & Caffeine originating in and exported from the European Union (hereinafter referred to as EU);
- (ii) The Authority notified the Delegation of European Commission in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra,
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 11th July, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of

Theophylline & Caffeine originating from EU classified under heading 2939.30 & 2939.50 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975;

- (iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the petitioners and gave them an opportunity to make their view known in writing;
- (v) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Delegation of European Commission in India.
- (vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the exporters as mentioned in the petition;
- (vii) The Delegation of European Commission in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from their territory to respond to the questionnaire within the prescribed time;
- (viii) The questionnaire was sent to the following importers and users of Theophylline & Caffeine:

- 1. M/s J Shah & Co., Mumbai
- 2. M/s. Salvi Chemicals, Boiser
- 3. M/s. Kantilal Manilal & Co., Mumbai
- 4. M/s. Medi Pharma, Chennai
- 5. Ahinsha Chemicals Pvt Ltd., Nalbari
- 6. M/s. Coca- Cola India Limited, Pune
- 7. M/s. Pepsi Foods Ltd., Sangrur
- 8. M/s. Nicholas Piramal India Ltd., Dhar
- 9. M/s. Panjon Ltd., Indore
- 10. M/s. Cadila Pharmaceuticals Ltd., Ahmedabad
- 11. M/s. German Remedies Ltd , Mumbai
- 12. M/s Meridian Enterprises Pvt Ltd., Navsari

13. M/s. Kopran Ltd., Raigad
14. M/s. Unimed Technologies Ltd., Halol
15. M/s. FDC Ltd., Mumbai

- (ix) Out of the importers, response to the questionnaire was filed by M/s. Ahinsha Chemicals, Nalbani. M/s. BASF AG, Ludwigshafen, Germany also filed response to the questionnaire as exporter.
- (x) Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished;
- (xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) ***** in this notification represents information furnished by the interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xiii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the petitioners' offices at Mumbai, Thane and works at Patalganga, Maharashtra; verification was also carried out at the premises of the exporter M/s. BASF AG at Ludwigshafen, Germany.
- (xiv) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum cost of production and cost to make and sell Theophylline & Caffeine in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles and information furnished by the petitioner;
- (xv) The investigation covered the period from 1st April 1999 to 31st March, 2000.
- (xvi) Copies of initiation notice was also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation

B. Submission made by Domestic Industry

3. The petitioners have made the following submissions:

- (a) Theophylline & Caffeine, both in pure and crude form and their derivatives and salts thereof falling under sub-heading No. 2939.30 and 2939.50 of Custom Tariff Act are being dumped in India by European manufacturers. The industry was earlier faced with the problem of dumping from China and was forced to approach the Designated Authority for imposition of anti dumping duty on imports therefrom. After detailed investigation by the Designated Authority, anti dumping duty was imposed on imports from China on 20.3.95 which was continued after the mid-term review held in the year 1998. The exporters from China continued to dump materials into India and a sunset review investigation against import from China was initiated by the Designated Authority in March 2000 and the anti dumping duty imposed against China have been extended by one year. However, in the meantime exporters from EU have started dumping Theophylline and Caffeine in India. These imports are causing material injury to the domestic industry in India and hence they are filing a petition for imposition of anti dumping duty against imports originating in EU.
- (b) The products under consideration are Theophylline, its derivatives, salts thereof and Caffeine, its derivatives and its salts and includes these products in pure as well as crude form. Theophylline & Caffeine are organic chemicals classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act. Theophylline is used for pharmaceutical formulations and Caffeine is also used for beverage and soft drinks. The products are defined under Custom sub-heading 2939.30 and 2939.50.
- (c) The petition has been filed by M/s. Kores (India) Ltd., Thane, M/s Bakul Aromatics & Chemicals Ltd., Mumbai and M/s. Valiant Industries Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry. The petitioners have averred that there are two more producers of the product, M/s. SU-VI Chemicals Ltd., Bombay and M/s. Suman Pharmaceuticals, Hyderabad. The petitioners' production of Theophylline & Caffeine during 1999 accounted for approximately 85% of the total production in the country and therefore have a standing to file the petition on behalf of domestic industry under the Rules aforesaid. Further M/s. German Remedies also produces the said goods for their captive

requirements and therefore should not be considered as eligible producer for the present purposes.

- (d) The petitioners have provided evidence of dumping of the product involved from the Federal Republic of Germany, Belgium, France and Spain- all members of European Union (EU). As there are no custom boundaries in the EU between various member-countries, it has been argued that for the purpose of this investigation EU should be treated as a territory subject to investigation.
- (e) The petitioners have claimed that the goods produced by them are 'like article' to the goods exported, originating in or exported from the subject territory. Therefore, for the purpose of investigation, the goods produced by the petitioners should be treated as 'like articles' to Theophylline, its derivatives, salts thereof and Caffeine, its derivatives and its salts, both in pure as well as crude form imported from the European Union within the meaning of the Rules.
- (f) Normal value in Germany and Spain (and the EU as a whole) is the price at which the consumers of Theophylline and Caffeine are purchasing these products in their domestic market in the ordinary course of trade. As per the evidence available of the prices at which Germany have exported subject goods to other EU member-countries, the prices are much higher than the prices at which these products are being exported to India by the European producers. As there are no custom barriers between Germany, Spain and other EU member-countries, the same normal value should be used for the entire territory. B
- (g) As per the information available from the records of Director General of Commercial Intelligence and Statistics and the relevant adjustments to be permitted to arrive at the ex-factory price, such as landing charges, ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the country of export, port handling and port charges, the net export prices arrived at comes to be much below the normal value discussed above and hence there is substantial dumping by the exporters from EU.
- (h) Low and declining export prices of Theophylline and Caffeine from EU is under cutting the prices in Indian market and hence causing injury to the domestic industry as they are

unable to realise a fair selling price in the domestic market. The domestic industry has been forced to maintain its selling price based on landed value of the imports from the EU resulting in decline in sales realisation, financial losses and failure to recover optimum cost of production and fair return on the investment made.

- (i) The imports from countries other than EU are either *de minimus* or at higher prices. It is the imports at low and declining prices from EU to India which are undercutting their selling prices and causing injury to the domestic industry;

C. Submissions made by Importers and Exporters

4. M/s. Ahinsha Chemicals Ltd., Nalbari, Assam, who are the manufacturers of Caffeine Anhydrous I.P. (Natural) and importers of Crude Caffeine (Natural) have made the following submissions:

- (a) Caffeine Anhydrous I.P. (Natural) is manufactured using raw material like tea waste or crude caffeine which is a by-product for manufacture of decaffeinated coffee.
- (b) Crude Caffeine which is extracted from natural tea/coffee is not 'like product' is synthetic caffeine manufactured by the petitioner.
- (c) The manufacturing process of natural caffeine and synthetic caffeine is totally different. Crude caffeine is naturally available in tea/coffee and then extracted from it and then processed to make natural caffeine of about 99.3% purity for use in beverages and pharmaceutical industry. Natural Caffeine is preferred for use by beverages and pharmaceutical manufacturers in USA, Japan, Europe etc.,
- (d) The cost of production of natural caffeine is higher than the cost of production of synthetic caffeine
- (e) Crude (Natural) Caffeine as it is cannot be used by beverages/pharma industries and after processing and conversion to natural caffeine it has a purity of 99.3% and it also has to meet other parameters or specifications prescribed in I.P/B.P/U.S.P etc., and sold to pharma/beverages industry.
- (f) The price of Crude Caffeine imported by the company is the normal value of the product and it is normal price of the Crude Caffeine in EU and/or international

market. Moreover the price of Crude Caffeine depends on the quality and purity of the product. The suppliers of Crude Caffeine (Natural) are highly reputed companies in international market and Crude Caffeine is their by product/waste product which they receive for manufacturing Decaffeinated Coffee.

- (g) The parties have deliberately and with *malafide* intentions manipulated the figures and wrongly presented the case by comparing Crude Caffeine and Synthetic Caffeine.
- (h) Crude Caffeine (Natural) extract of Tea/Coffee is not available in India.

5. M/s. BASF AG, Ludwigshafen, Germany, having production site at Knoll AG, Minden, Germany have made submissions in response to the initiation notice and questionnaire sent to them asking for information regarding their exports to India and other countries and domestic sales. Regarding the cost of production they have stated that their plant is a multipurpose plant for different grades of Caffeine and Theophylline, all of which are not exported to India. The production of different grades is influenced by different sales and therefore a meaningful split up of the capacity exported to India of different grades could not be given. The information submitted by them was verified from the cost and sales records available at their premises at Ludwigshafen, Germany.

D. Examination and Findings by Authority

6. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

7. The product under consideration are Theophylline, its derivatives, salts thereof and Caffeine, its derivatives and its salts and includes these products in pure as well as crude form. Theophylline and Caffeine are organic chemicals classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act. Theophylline is used for pharmaceutical formulations and Caffeine is also used for beverage and soft drinks. The products are defined under Custom sub-heading 2939.30 and

2929.50. The classification is, however, indicative only and is not binding on the scope of the present investigation.

As stated in para 4 above, representation has been made to exclude crude caffeine from the scope of investigation as the production process as well as the new materials are different from those of synthetic caffeine. However, as per the evidence furnished by the petitioners, the synthetic caffeine is also being used by the manufacturers of beverages and other users of natural caffeine stated by the exporters. Since the synthetic and crude caffeine are close substitutes and are used interchangeably depending on price and availability, the Authority decides to keep crude caffeine also within the scope of investigation as was proposed in the notice of initiation of investigation. Thus the definition of 'product under consideration' continues to be the same as stated above.

F. LIKE ARTICLE

8. Theophylline and Caffeine their derivatives, salts thereof is being imported from EU having characteristics closely resembling to Theophylline and Caffeine, their salts and derivatives being produced by the domestic industry and therefore the two are considered as 'like article' in accordance with rule 2(d) supra. These products are, therefore, covered under the scope of this investigation.

G. DOMESTIC INDUSTRY

9. The petition has been filed by M/s Kores (India) Limited, Thane, M/s. Bakul Aromatics & Chemicals Ltd., Mumbai and M/s. Valiant Industries Limited, Mumbai, on behalf of the domestic industry. There is one more producer of the product, M/s. SU/VI Chemicals Limited, Mumbai. The petitioners' production of Theophylline and Caffeine during 1999 accounted for approximately 85% of the total production in the country and, therefore, have a standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules aforesaid.

H. DUMPING

Normal value

10. The domestic industry in their submissions have stated that normal value in EU is the price at which consumers of Theophylline and Caffeine are purchasing the same in the EU in the ordinary course of trade. They have given evidence of the prices at which one member of the EU has been exporting the said goods to the other member countries of the Union. As sale by the producers of one member country of the EU to consumers in the other member country is within the common custom territory it is treated as domestic sale for the purpose of arriving at the normal value as EU is being taken as one common subject territory. However, in view of the response given by M/s. BASF AG, one of the manufacturers in the EU exporting to India, sufficient information is available with the Authority regarding the domestic prices in the EU. The Authority intends to use the information provided by the exporter on the domestic sale price in EU for arriving at the normal value. Also adjustments have been claimed regarding ex-factory charges in the form of distribution costs, shipping costs, overseas freight, marine insurance etc., which have been also allowed as claimed.

Export price

11. The petitioners have furnished information regarding the export price for the period upto September 1999 on the basis of the information published by Director General, Commercial Intelligence and Statistics, (DGCIS) Calcutta. Now, information for the whole year for import volume and value from EU is available from DGCIS. However, for the purpose of calculation of dumping margin for the exporter who have furnished information and which has also been verified, the net export price after making adjustments of commission, freight etc., has been considered as claimed in their response to the questionnaire sent by the Authority

Dumping margin

12. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. For the purpose of fair comparison between the normal

value and export price, the Authority has made calculations on the basis of parameters mentioned in paragraphs above. Based on the fair comparison of the normal value and export price so worked out, the margin of dumping in respect of exports made by BASF AG comes out to be 229 % of the export price in the case of Theophylline, its derivatives and salts, 177%, in the case of Caffeine, its derivatives and salts thereof. The Authority intends to use the same dumping margin for all the exporters from EU.

H INJURY

13. Under Rule 11 supra, annexure II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "*.....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles.....*" In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

14. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, sales, stock, profitability, net sales realisation etc.

(a) Volume and market share of dumped imports

Imports of Theophylline from EU were nil till 1998-99 which have increased to 32500 kgs in 1999-2000 which signifies a very sharp increase in the imports in the total market size of approximately 300 MTS. The market share of imports from the territories of EU in Theophylline in India has also thus increased from nil to approximately 11 % of the total domestic demand in 1999-2000. The increase in absolute terms as well as percentage terms of imports of Theophylline has led to loss of sales to the domestic industry.

(b) Price under cutting and price suppression

Data on the landed value from the member-countries of EU calculated on the basis of the DGCIS data clearly show the condition of under cutting being faced by the domestic industry both in case of Theophylline and Caffeine especially during the period of investigation. This has resulted in an average sales realisation for domestic industry being much below the optimum cost of production and consequent financial losses from the production and sales of Theophylline and Caffeine for the domestic industry.

(c) Profit/Loss

The petitioner are part of multi-unit organisation engaged in multi product activities and no conclusion can be drawn from the printed annual accounts about the financial position of the companies for the product under consideration. The Authority has, however, for purpose of assessment of the profitability of the petitioner from the product under consideration relied upon information collected and after considering allocation and apportionment of expenses on the basis of Generally Accepted Accounting Principles. The Authority noted that the average sales realisation to the petitioner is less than the cost of production resulting in losses from the sale of Theophylline & Caffeine.

(d) Conclusion on the injury

The Authority is led to conclusion that all the relevant factors, cumulatively and collectively establish that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

I. CAUSAL LINK

14. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts:

- (i) the substantial imports of Theophylline & Caffeine from EU at dumped prices forced the domestic industry to keep its selling prices at un-remunerative level which resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
- (ii) The imports from EU suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of Theophylline & Caffeine in India.

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

15. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

16. The Authority recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using Theophylline & Caffeine and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Theophylline & Caffeine. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from EU in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

17. The Authority notes that the petitioner as well as the other producer have been forced by the importer to reduce the prices of Theophylline & Caffeine which clearly establish a situation of price undercutting prevailing in the Indian market

K. CONCLUSIONS

18. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Theophylline and Caffeine of EU origin have been exported to India below their normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused by the imports from EU.

19. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Theophylline and Caffeine originating from EU in order to remove the material injury to the domestic industry. The margin of dumping for known exporter determined by the Authority are indicated in para 12 above.

20. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Theophylline and Caffeine falling under customs code 2939.30 and 2939.50 originating from EU pending final determination. The anti dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 and landed price of import per MT for all exporters/manufacturers (including M/s. BASF AG):

<i>Territory/country</i>	<i>Product</i>	<i>Amount in US\$ per MT</i>
European Union (all member-countries)	1. Theophylline	10686
	2 Caffeine	11486

21. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975

L. FURTHER PROCEDURE

22. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The authority would provide opportunity to all the interested parties for oral submissions to be rendered thereafter in writing;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L.V SAPTHARISHI, Designated Authority